

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण आदेश

सजा काटने पर भी दोषसिद्धि के खिलाफ अपील समाप्त नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण आदेश में कहा कि किसी दोषी द्वारा सजा काट लेने मात्र से उसकी दोषसिद्धि के खिलाफ लंबित अपील समाप्त या निष्फल नहीं हो जाती। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने ने वर्ष 2012 में समाप्त मान ली गई आपराधिक अपील को पुनः उसके मूल क्रमांक पर बहाल करने के निर्देश दिए हैं। जबलपुर निवासी प्रदीप महदेले ने याचिका दायर कर 17 जुलाई 2012 के उस आदेश को वापस लेने की मांग की थी, जिसमें आपराधिक अपील को इस आधार पर समाप्त मान लिया



गया था कि अपीलकर्ता पूरी जेल की सजा भुगत चुका है। हाईकोर्ट ने कहा कि केवल सजा पूरी हो जाने से दोषसिद्धि समाप्त नहीं होती और न ही उसके विरुद्ध चुनौती निरर्थक होती है। दोषसिद्धि के कारण कारावास अवधि के बाद भी व्यक्ति को विभिन्न कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के गुरजंत सिंह प्रकरण के निर्णय का हवाला देते हुए माना कि अपील का गुण-दोष के आधार पर निराकरण आवश्यक है। इसलिए हाईकोर्ट ने 17 जुलाई 2012 का आदेश वापस लेते हुए प्रदीप महदेले के संबंध में आपराधिक अपील को उसके मूल क्रमांक और स्थिति में बहाल करने के निर्देश रजिस्ट्री को दिए।

अदालत ने जबरन रोकने का आरोप नहीं माना सात वर्षीय बच्चा मां के साथ रहेगा

जबलपुर। जेएमएफसी रश्मि मंडलोई ठाकुर की अदालत ने सात वर्षीय बच्चे को जबरन रोककर रखे जाने के आरोप को प्रमाणित नहीं माना। अदालत ने बच्चे की इच्छा और प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर उसे मां के साथ रहने की अनुमति दी। जबलपुर के उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा के अर्बनि विहार निवासी संतोष अहिरवार ने आवेदन देकर आरोप लगाया था कि 25 अगस्त 2026 को उसकी पत्नी मंजू बकोड़े उनके सात वर्षीय बेटे को स्कूल से जबरन अपने साथ ले गई और उसे रोककर रखा है। मंजू की ओर से अदालत को बताया गया कि उनका चयन पुलिस विभाग में आरक्षक पद पर हुआ है। प्रशिक्षण के लिए जाने के दौरान उन्होंने बच्चे को पति के पास छोड़ा था। प्रशिक्षण पूरा होने के बाद वह बच्चे को अपने साथ ले गई और इसकी सूचना तिलवारा थाने में भी दी गई थी। सुनवाई के दौरान बच्चे ने स्पष्ट रूप से कहा कि वह अपनी मां के साथ रहना चाहता है। तथ्यों और बच्चे के कथन पर विचार करने के बाद अदालत ने आवेदन का निराकरण कर दिया।

जबलपुर की बेटी सुषमा सावंत हाईकोर्ट की न्यायाधीश नियुक्त

संस्कारधानी में गढ़ी नींव, अब छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट की पीठ पर बैठेंगी सुषमा सावंत - 10 सितंबर को बिलासपुर में लैंगी शाय, न्यायिक सेवा के 32 वर्षों का अनुभव

जबलपुर। संस्कारधानी की धरती ने जिस बेटी को शिक्षा और संस्कार दिए, अब वही बेटी छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की न्यायिक पीठ पर बैठकर न्याय की नई जिम्मेदारी संभालेगी। शहर में पढ़ी-लिखी सुषमा सावंत को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। केंद्र सरकार ने मंगलवार को नियुक्ति की अधिसूचना जारी की। वे 10 सितंबर को बिलासपुर में शपथ लेंगी।

सुषमा सावंत का जन्म 24 नवंबर 1969 को छिंदवाड़ा में हुआ। वे जबलपुर के कुमाशंकर वर्मा की पुत्री व मप्र हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अधिवक्ता संजय वर्मा की बहन हैं। जानसन गर्ल्स स्कूल से प्रारंभिक शिक्षा के बाद एमएच कालेज से बीएससी और हितकारिणी



कालेज से विधि स्नातक किया। 1994 में सिविल जज के रूप में न्यायिक सेवा में प्रवेश किया। विवाह के बाद छत्तीसगढ़ को कर्मभूमि बनाया। महासमुंद, बिलासपुर और राजनांदगांव में जिला एवं सत्र न्यायाधीश रहीं। बिलासपुर कुटुंब

न्यायालय की प्रधान न्यायाधीश और छत्तीसगढ़ राज्य न्यायिक अकादमी की निदेशक का दायित्व भी संभाला। मई 2012 में विधि एवं विधायी कार्य विभाग की अतिरिक्त सचिव बनीं। अप्रैल 2024 में राजनांदगांव की प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश और 13 अक्टूबर 2025 से विभाग की प्रमुख सचिव हैं। इस पद पर पहुंचने वाली राज्य की पहली महिला अधिकारी हैं। सुप्रीम कोर्ट कालेजियम की 18 अगस्त की सिफारिश के बाद राष्ट्रपति की मंजूरी से यह नियुक्ति हुई है। उनके साथ संतोष शर्मा और सुधीर कुमार भी हाई कोर्ट के न्यायाधीश नियुक्त किए गए हैं। तीनों के शपथ लेने के बाद 22 स्वीकृत पदों वाले हाई कोर्ट की न्यायिक क्षमता और बढ़ेगी।

साइबर टगी की रकम निकालने वालों की पहचान के लिए हाई कोर्ट सख्त

► एटीएम में अतिरिक्त प्रमाणीकरण पर दिया जाए ► रिजर्व बैंक से बायोमेट्रिक, चेहरा पहचानने जैसी तकनीक पर विचार करने भी कहा

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने साइबर टगी की रकम को म्यूल अथवा किराये पर उपलब्ध कराए गए बैंक खातों के जरिए इधर-उधर करने और बाद में एटीएम से नकद निकालने के मामले पर गंभीर चिंता जताई है। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने रिजर्व बैंक आफ इंडिया से विचार करने को कहा है कि बड़ी या संदिग्ध रकम एटीएम से निकालने समय रकम निकालने वाले व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त प्रमाणीकरण की व्यवस्था की जा सकती है, या नहीं। इसके लिए बायोमेट्रिक, चेहरा पहचानने जैसी तकनीक अथवा अन्य विश्वसनीय पहचान माध्यमों के उपयोग पर विचार करने का सुझाव दिया गया



है। मामले की अगली सुनवाई पांच अक्टूबर को होगी।

जबलपुर निवासी चैताली मित्रा की याचिका पर सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी ने बताया कि मामले में अब तक पांच आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इन पर साइबर टगी से जुड़ी रकम के लेन-देन के लिए अपने बैंक खाते किराये पर उपलब्ध कराने का आरोप है। जांच एजेंसी मुख्य आरोपित तक पहुंचने के करीब है और जांच पूरी करने के लिए समय

मांगा गया है। कोर्ट ने कहा कि साइबर टगी की रकम कई खातों से गुजरने के बाद म्यूल अकाउंट तक पहुंचती है और एटीएम से नकद निकाल ली जाती है। इसके बाद मनी ट्रेल कमजोर पड़ जाती है और जांच एजेंसी के पास कई बार सीसीटीवी फुटेज ही सीमित साक्ष्य बचता है। कोर्ट ने यह भी विचार करने को कहा कि यदि खाताधारक किसी दूसरे व्यक्ति को रकम निकालने को अनुमति देता है तो उसका डिजिटल अथवा दस्तावेजी रिकार्ड और अतिरिक्त प्रमाणीकरण संभव है या नहीं। जांच अधिकारियों ने बताया कि मुख्य आरोपी तेलीगरा के जरिए लोगों से संपर्क कर बैंक खाते किराये पर लेते थे। राज्य की ओर से शासकीय अधिवक्ता वीएस चौधरी व प्रियंका मिश्रा ने पक्ष रखा।

संभावित रेल हादसे टालने वाले 5 रेलकर्मी सम्मानित

जबलपुर। रेल परिचालन में सतर्कता और सजगता दिखाकर संभावित हादसे टालने वाले पश्चिम मध्य रेलवे के पांच रेलकर्मियों को उत्कृष्ट संरक्षा जागरूकता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। अगस्त 2026 में झूटी के दौरान उनकी कर्तव्यनिष्ठा और त्वरित निर्णय क्षमता के लिए महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने पुरस्कार प्रदान किए। सम्मानित कर्मचारियों में व्यू कवली जंक्शन के वरिष्ठ ट्रेन मैनेजर सिया राम, कटनी गुडवार के टेक्नीशियन-॥ पवन कुमार चौबे, इटारसी के टेक्नीशियन-1 दुर्गा प्रसाद, ओबेदुल्लागंज के पॉइंटमैन सुनील कुमार और कोटा मंडल के स्टेशन अधीक्षक शिवचरण मीणा शामिल हैं। इन कर्मचारियों ने झूटी के दौरान हॉट एक्सल, वैगन के टूटे फ्लोर पेच से निकलती विंगरो, ब्रेक वैन के सेंटर पिचट गाइड और रेल वेल्ड फेलियर जैसी गंभीर खामियों को समय रहते पहचानकर आवश्यक कार्रवाई की, जिससे संभावित दुर्घटनाएं टल गईं। महाप्रबंधक ने कर्मचारियों की सजगता की सराहना करते हुए कहा कि रेलवे में संरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी मनोज गुरमुखी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

जबलपुर। आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मंगलवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में एसपी संपत उपाध्याय ने जनसुनवाई की। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे नागरिकों ने पुलिस कप्तान के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। जनसुनवाई में कुल 70 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें अधिकांश शिकायतें पारिवारिक एवं पति-पत्नी विवाद, जमीन संबंधी मामले, मारपीट और साइबर अपराध से जुड़ी थीं। एसपी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को तथ्यों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। एसपी संपत उपाध्याय ने थाना प्रभारियों एवं राजपत्रित अधिकारियों को शिकायतों का त्वरित, निष्पक्ष और समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करने तथा कार्रवाई की प्रगति की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को शिकायतों का

मुख्य अभियंता ने तेजगढ़ सबस्टेशन का निरीक्षण किया जबलपुर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत एसपी टांसको के मुख्य अभियंता (अति उच्च दाब निर्माण) के एम. सिंघल ने दमोह जिले के 132 केवी



हुए दोनों फीडरों को शीघ्र पूरा कर ऊर्जाकृत करने के निर्देश दिए, ताकि क्षेत्र में बेहतर और निबाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। निरीक्षण के दौरान कार्यपालन अभियंता दीपक कुमार, शशि शेखर, सहायक अभियंता शरद भाजीपाले सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।



विधिसम्मत समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। एसपी जोन-4 अंजना तिवारी एवं डीएसपी जनसुनवाई में एएसपी डॉ. आरुण जाखड़, आकांक्षा उपाध्याय उपस्थित रहे।

13 सितंबर को होगी स्कूली विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत परिवार हिंदी समिति एवं केंद्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हिंदी महोत्सव के तहत 13 सितंबर को सुबह 11 बजे रामपुर स्थित कल्याण भवन में स्कूली विद्यार्थियों की चित्रकला प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता में कक्षा 1 से 3, 4 से 7 तथा 8 से 10वीं तक के विद्यार्थी तीन आयु वर्गों में भाग ले सकेंगे। ड्राइंग शीट आयोजन समिति देगी, जबकि रंग, पेंसिल सहित अन्य सामग्री प्रतिभागियों को स्वयं लानी होगी। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की विद्युत कंपनियों में कार्यरत कर्मिकों के विद्यालय में अध्ययनरत पुत्र-पुत्रियां शामिल हो सकेंगे। समिति अध्यक्ष फिरोज कुमार मेश्राम एवं संयोजक दीपक निगम सहित आयोजन समिति के सदस्यों ने विद्युत कर्मियों से बच्चों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित करने की अपील की है।



12 ग्रामों को जोड़कर विकास समन्वय संगठन गठित

जबलपुर। बरगो बांध परियोजना क्षेत्र के विस्थापित एवं प्रभावित 12 ग्रामों के प्रतिनिधियों की बैठक बरगो नगर स्थित सच्चा प्रयास समिति कार्यालय में हुई। बैठक में ग्रामों की समस्याओं को संगठित रूप से उठाने के लिए विशेष ग्राम विकास समन्वय संगठन के गठन का निर्णय लिया गया। सर्वसम्मति से टप्पू लाल परस्ते को अध्यक्ष, बसोरी लाल बर्मन एवं ओमप्रकाश परस्ते को उपाध्यक्ष, संजय मरावी को सचिव, दीपक सेन एवं साजन यादव को सह सचिव तथा वृंदावन वरकड़े को कोषाध्यक्ष चुना गया। 12 ग्रामों के लिए एक-एक ग्राम समन्वय प्रतिनिधि भी नियुक्त किया गया। संगठन ग्राम पंचायतों की समितियों को सक्रिय करने, वन अधिकार कानून एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने तथा स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित विभागों के समक्ष सामूहिक रूप से मुद्दे उठाएंगे। बैठक में संस्था प्रमुख परवेज खान सहित विभिन्न ग्रामों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।



फोरलेन निर्माण बना मुसीबत कीचड़-गड्ढों के बीच सफर

मुड़िया हाईवे रोड एक माह से पड़ी हुई है खुदी, बारिश में जान जोखिम में डालकर निकल रहे राहगीर

पनागर। बेहतर और सुगम आवागमन की उम्मीद में शुरू हुआ फोरलेन निर्माण फिलहाल पनागर के लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। नगर की व्यस्त मुड़िया हाईवे रोड करीब एक माह से खुदी पड़ी है। नाला निर्माण के लिए खोदी गई सड़क अब तक व्यवस्थित नहीं हो सकी है। बारिश के चलते मार्ग पर कीचड़ और गड्ढों ने राहगीरों की मुश्किल और बढ़ा दी है। इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में छोटे-बड़े वाहन, दोपहिया चालक और पैदल राहगीर गुजरते हैं। सड़क खुदी होने के कारण मुख्य मार्ग पर आवागमन प्रभावित है और लोगों को साइड रोड का सहारा लेना पड़ रहा है।

बारिश में बढ़ा दुर्घटना का खतरा

बारिश के बाद सड़क पर कीचड़ और फिसलन की स्थिति बन रही है। गड्ढों के बीच दोपहिया वाहन चालकों को संभलकर



निकलना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के मुताबिक बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। कई जगह मार्ग की स्थिति ऐसी है कि राहगीरों को जान जोखिम में डालकर निकलना पड़ता है।

कसुए की चाल से निर्माण

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि निर्माण एजेंसी काम में अपेक्षित तेजी नहीं दिखा रही है। करीब एक माह से सड़क खुदी होने के बावजूद कार्य पूरा नहीं हो

सका है। लोगों का कहना है कि नाला निर्माण जरूरी है, लेकिन काम को चरणबद्ध और तेजी से पूरा किया जाना चाहिए, ताकि यातायात लंबे समय तक प्रभावित न हो।

अधिकारियों की निगरानी पर सवाल

निर्माण की धीमी गति को लेकर जिम्मेदार अधिकारियों की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। नागरिकों का कहना है कि नियमित निरीक्षण और समय-सीमा की सख्ती से पालन कराया जाए तो काम में तेजी आ सकती है।

स्थानीय नागरिकों ने संबंधित विभाग और निर्माण एजेंसी से मुड़िया हाईवे रोड का काम जल्द पूरा कराने की मांग की है। जब तक निर्माण पूरा नहीं होता, तब तक सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग, बैरिकेडिंग और पर्याप्त सुरक्षा संकेतक लगाने की मांग भी की गई है।

रात्रिकालीन राजस्व शिविर में किसानों की बनी फार्मर आईडी

बरेला। जबलपुर कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम पंचायत शारदा नगर रिछाई में फार्मर रजिस्ट्री एवं केवाईसी के लिए रात्रिकालीन राजस्व शिविर आयोजित किया गया। शिविर में किसानों की फार्मर रजिस्ट्री कर उनकी फार्मर आईडी बनाई गई। शिविर में अतिरिक्त तहसीलदार राजेश मिश्रा, राजस्व निरीक्षक सुधीर सोनी, हल्का पटवारी रोहित पटेल, सरपंच आशीष शुक्ला एवं पंचगण मौजूद रहे। ग्राम कोटवार नरेश झारिया ने किसानों को घर-घर जाकर शिविर में पहुंचने के लिए प्रेरित किया, जिसके बाद बड़ी संख्या में किसानों ने उपस्थित होकर रजिस्ट्री कराई। बताया गया कि रिछाई आदिवासी बहुल क्षेत्र है, जहां कई ग्रामीण दिन में मजदूरी अथवा कृषि कार्य के लिए बाहर जाते हैं। ऐसे में रात्रिकालीन शिविर से ग्रामीणों को सुविधा मिली। उपस्थित किसानों एवं ग्रामीणों ने शासन की इस पहल की सराहना की।



नवनिर्मित मंदिर में विराजे हनुमान जी

जबलपुर। तिलहरी स्थित अजय सत्य प्रकाश होम्स कॉलोनी में नवनिर्मित संगमरमर मंदिर में श्री हनुमान जी महाराज की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर स्थापना की गई। पं. मनजीत मिश्रा ने मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। मंदिर निर्माण में प्रो. रवीन्द्र मन्कड़ की प्रमुख भूमिका रही। इसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने सहयोग दिया। आलोक गुप्ता, अनिल शुक्ला एवं आशीष कपूर ने विशेष सहयोग किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर प्रसाद ग्रहण किया। समाजसेवी आशीष कपूर का जन्मदिन भी मंदिर परिसर में मनाया गया।

अंतस स्थापना दिवस पर शिक्षक व कला साधक हुए सम्मानित

जबलपुर। अंतस संस्था का स्थापना दिवस समारोह इंडियन मेडिकल एसोसिएशन प्रेक्षागृह, नेपियर टाउन में गरिमामय माहौल में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती पूजन से हुआ। इसके बाद नरंग कथक कला केंद्र के कलाकारों ने आकर्षक सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुतियां दीं। शिक्षिका स्व. रेणुका पैगवार की स्मृति में शिक्षक दिवस के अवसर पर शहर के शिक्षकों को शिक्षक गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही कला के क्षेत्र में योगदान देने वाले कला साधकों का भी सम्मान किया गया। समारोह में जबलपुर के साहित्यकारों की गीत एवं गजलों पर आधारित काव्य कृतियों का लोकार्पण भी हुआ। संस्था की निर्देशिका विनीता पैगवार 'विधि', संयोजक राजेश तिवारी, संचालन में राजेश पाठक 'प्रवीण', डॉ. मंजु गोरे एवं प्रतिमा



अखिलेश तथा संरक्षक सरोज संतोषी के सहयोग से कार्यक्रम संपन्न हुआ। संस्थापक डॉ. अनिल कुमार कोरी के निर्देशन में आयोजित समारोह में दिनेश खड्गितिया ने संगीत संयोजन किया। संस्था समन्वयक संदीप बनोधा ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में रंजना गुप्ता, रबीना बगन, डॉ. आनामिका श्रीवास्तव, आर.एस. चंदेल, कमलकांत उपाध्याय, विद्या बैतगौरी, तुलसी नारायण राय, संस्था पाठकर, अर्चना गोस्वामी, इंजी.

अरुण भटनागर, अनुकेपा नायक, अभय नायक, डॉ. कृष्ण कुमार दुवे, माया पांडे, राजा बेन्ज, पी.डी. दीक्षित, प्रो. नेहा खरे, निशा पैगवार एवं सौरभ संतोषी सहित अनेक कलाकारों ने गीतों की प्रस्तुतियां दीं। आयोजन में यूनस अदीब, राकेश पैगवार, रजनी कोठारी, आर.के. पासी एवं अनुराग कोरी 'साई' का विशेष सहयोग रहा। बड़ी संख्या में साहित्यकार, कलाकार, शिक्षक एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।



लाइव स्टॉक फार्म में मैत्री प्रशिक्षण शुरू

जबलपुर। आधारताल स्थित लाइव स्टॉक फार्म में एक माह के मैत्री प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रशिक्षण नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. मंदीप शर्मा के सानिध्य में आयोजित होगा। मुख्य अतिथि डॉ. एस.व्एस. तोमर, डीन, कॉलेज ऑफ वेटेरनरी साइंस एंड एनिमल हसबैंडरी ने प्रशिक्षण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षणार्थियों को पशुपालन, कृत्रिम गर्भाधान एवं पशु प्रजनन का सैद्धांतिक व व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुनील लायक सहित डॉ. बी. राय एवं डॉ. पुष्कर शर्मा उपस्थित रहे। डॉ. तोमर ने कहा कि मैत्री ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों तक वैज्ञानिक पशुपालन एवं प्रजनन सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



डॉ. अर्चना भटनागर को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

जबलपुर। हैलाइड केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड की प्रबंध निदेशक डॉ. अर्चना भटनागर को बेंगलुरु में 'उद्यम विकासिनी लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महिला उद्यमिता के क्षेत्र में उनके पांच दशक के योगदान और मध्यप्रदेश महिला उद्यमी संघ के माध्यम से 26 वर्षों के नेतृत्व के लिए प्रदान किया गया। डॉ. भटनागर ने महज 500 रुपये से उद्यमिता की शुरुआत कर केमिकल उद्योग में पहचान बनाई। उन्होंने छोटे शहरों की महिलाओं को बाजार, मार्गदर्शन और अंतरराष्ट्रीय अवसर उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह सम्मान जबलपुर और मध्यप्रदेश के लिए भी गौरव का विषय है।



कुकिंग-बेकिंग प्रशिक्षण से खुलेगा स्वरोजगार का मार्ग

बरेला। पं. रामशंकर बन्नीलाल पाठक शासकीय महाविद्यालय बरेला में स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकाष्ठ के तहत 25 अगस्त से 25 सितंबर तक कुकिंग एवं बेकिंग रोजगार प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों को सूप, नाश्ता, चाइनीज व्यंजन, विभिन्न प्रकार की चपाती, पुलाव व सब्जियां तथा केक, बिस्कुट, कुकीज, पिज्जा, डोनट्स और मिलेट्स केक जैसी रेसिपी सिखाई जा रही है। प्रशिक्षण के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अरुण शुक्ला ने कहा कि कुकिंग एवं बेकिंग कम लागत में स्वरोजगार का सरल और सुरक्षित विकल्प है। विशिष्ट अतिथि अंजू गुप्ता ने पाककला से जुड़ी जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार ने की। इस अवसर पर डॉ. हेमंत तनकपन, डॉ. राम सिंह ठाकुर, अजय भूषण, बी.एस. उर्दिके, डॉ. किरण हीरा, सपना नेमा सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे। संचालन डॉ. ऋतु श्रीवास्तव ने किया।



क्रमोन्नति व समयमान के आदेश लंबित, अजाक्स ने सौपा ज्ञापन

जबलपुर। शिक्षा विभाग में लंबे समय से परामर्शदात्री समिति की बैठक नहीं होने तथा शिक्षकों की क्रमोन्नति एवं समयमान वेतनमान के आदेश लंबित रहने को लेकर मप अनुसूचित जाति-जनजाति अधिकारी-कर्मचारी संघ (अजाक्स) ने जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। अजाक्स जिलाध्यक्ष योगेश चौधरी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार कर्मचारियों की समस्याओं के निराकरण के लिए प्रत्येक तीन माह में परामर्शदात्री समिति की बैठक आयोजित किया जाना आवश्यक है, लेकिन जबलपुर जिले में कई माह से बैठक नहीं हुई है। संघ ने बैठक शीघ्र आयोजित करने की मांग की। ज्ञापन में अध्यक्ष एवं सहायक शिक्षक संवर्ग के पात्र कर्मचारियों की 12, 24 एवं 30 वर्षीय क्रमोन्नति तथा 35 वर्षीय चतुर्थ समयमान वेतनमान के आदेश शीघ्र जारी करने की मांग भी की गई। संघ का कहना है कि प्रदेश के कई जिलों में आदेश जारी हो चुके हैं, जबकि जबलपुर में लंबित होने से सैकड़ों शिक्षक प्रभावित हैं। जिला शिक्षा अधिकारी ने मांगों पर शीघ्र कार्यवाई का आश्वासन दिया। इस अवसर पर अजय सोनकर, राजेंद्र सिंह टैकाम, योगेश चौधरी, राकेश समुद्रे, पवन बावरिया, बालकृष्ण उर्दिके, मुन्ना परस्ते, लक्ष्मण कोल, सुभाष खंडारे, धर्मेन्द्र कुकरेले, गौरीया, मूलचंद अहिरवार, रामशंकर श्रृंगी, रामकिशोर इडपारे एवं के.के. गौंटिया सहित संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन, पदोन्नति व वेतन विसंगति दूर करने की मांग को लेकर सौपा ज्ञापन

सिहोरा। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ तहसील शाखा सिहोरा ने कर्मचारियों और शिक्षकों की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं व लंबित मांगों को लेकर तहसीलदार सिहोरा के माध्यम से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव के नाम ज्ञापन सौंपते हुए संघ के पदाधिकारियों ने चेताया कि यदि शासन स्तर पर इन न्यायोचित मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो प्रदेश भर के कर्मचारी आंदोलन की राह पकड़ने को बाध्य होंगे। ज्ञापन में मुख्य रूप से पुरानी पेंशन योजना व ग्रेच्युटी प्रदेश में पुरानी पेंशन योजना ओपीएस को वरिष्ठता के साथ पुनः लागू किया जाए। पदोन्नति एवं पदनाम संशोधन



सभी संवर्गों में रुकी हुई पदोन्नति प्रक्रिया को तुरंत शुरू किया जाए। वेतन विसंगति व भत्ते केंद्र के समान महंगाई भत्ता डीए प्रदान किया जाए। विभिन्न विभागों में कार्यरत दैनिक वेतनभोगी, संविदा, अंशकालीन और आउटसोर्स कर्मियों को रिक्त पदों पर नियमित किया जाए तथा भृत्य/चतुर्थ श्रेणी

के पदों पर आउटसोर्स प्रथा बंद हो। स्कूल शिक्षा एवं जनजातीय कार्य विभाग में नियुक्त शिक्षकों की प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता मानकर गणना की जाए आदि मांगें शामिल थीं। ज्ञापन सौंपते समय तहसील अध्यक्ष योगेन्द्र मिश्रा, सुशील दाहिया, संजु उरमलिया, शेषराम धुवें, सुरेश तिवारी आदि उपस्थित रहे।

वादों की याद दिलाने भाजपा नेताओं के दरवाजे पहुंच रही आन्दोलन समिति, राजा मोर को सौपा पत्र



रहते सदस्यों को लोकतंत्र में चुनावी वादों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए। समिति ने कहा कि कथनी और करनी में समानता की बात करने वाली भाजपा और उसकी सरकार के लिए सिहोरा जिला का मुद्दा भी उसी कसौटी पर होना चाहिए। समिति ने कहा कि चुनाव के समय जनता से किया गया वादा केवल राजनीतिक भाषण नहीं, बल्कि जनता के विश्वास से जुड़ा संकल्प होता है। यदि राष्ट्रीय स्तर के पद पर बैठे नेता द्वारा किया गया वचन भी पूरा नहीं होता और स्थानीय स्तर पर

जिम्मेदार नेता भी इस मुद्दे पर मौन रहते हैं, तो यह जनता के बीच गंभीर सवाल खड़े करता है आज बुधवार को विधायक संतोष बरकड़े को समिति स्मरण पत्र सौंपी। समिति ने स्पष्ट किया कि वह भाजपा के उन सभी नेताओं तक पहुंचेगी, जो सिहोरा जिला की घोषणा और चुनावी वादे से जुड़े रहे हैं। आंदोलन समिति का उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष का विरोध करना नहीं बल्कि जनता से किए गए वादों को याद दिलाकर उसे पूरा कराने के लिए सरकार पर लोकतांत्रिक तरीके से दबाव बनाना है।

श्री दिनेश कुमार पटेल- चिंतामन साहू कॉलोनी महानन्दा रोड निवासी श्री दिनेश कुमार पटेल (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री सुभाष मदान- पंचशील नगर गौरीघाट रोड निवासी श्री सुभाष मदान (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया। श्री भागचंद अहिरवार- दुर्गा नगर गौरीघाट निवासी श्री भागचंद अहिरवार (89) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राजू बेन- बेलबाग चौराहा के पास निवासी श्री राजू बेन (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती पानमती सिंह- संजीवनी नगर निवासी श्री प्रेम नारायण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती पानमती सिंह (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राम खिलावन- शिवपुरी करारवा निवासी श्री राम खिलावन (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री दीपक गोंटिया- छुई खदान श्यामा प्रसाद मुखर्जी वाई निवासी श्री दरबारी लाल गोंटिया के पुत्र श्री दीपक गोंटिया (32) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती पानमती सिंह- संजीवनी नगर निवासी श्री प्रेम नारायण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती पानमती सिंह (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राजू बेन- बेलबाग चौराहा के पास निवासी श्री राजू बेन (63) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्रीमती पानमती सिंह- संजीवनी नगर निवासी श्री प्रेम नारायण सिंह की धर्मपत्नी श्रीमती पानमती सिंह (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री राम खिलावन- शिवपुरी करारवा निवासी श्री राम खिलावन (91) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती मथुरी बाई चांदवानी- गोपाला होटल लालमाटी निवासी श्रीमती मथुरी बाई चांदवानी का निधन

निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री मुन्ना लाल कोरी- गोरखपुर गुरुद्वारा के पीछे निवासी श्री मुन्ना लाल कोरी (76) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री चमन अहिरवार- झिरिया कुआं विनोबा बाबे वाई निवासी श्री चमन अहिरवार (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार

करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया। श्री ब्रजभान चौधरी- पोलीपाथर सामुदायिक भवन के पास निवासी श्री ब्रजभान चौधरी (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्री गुरदीप सिंह वाल्मीक- ब्रह्मर्षि कॉलोनी गौरीघाट रोड निवासी श्री गुरदीप सिंह वाल्मीक (73) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्री मोती लाल बम्हन- साईधाम रोड अंशिका सिटी कॉलोनी

गौरीघाट निवासी श्री मोती लाल बम्हन (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ। श्रीमती लक्ष्मी बाई रजक- गली नं. 14, सदर निवासी श्री दुर्गा प्रसाद रजक की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी बाई रजक (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया। श्रीमती लक्ष्मी- खजरी बायपास स्थित ग्राम हथना निवासी श्री नोने लाल की धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी (51) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

हरिभूमि
अजय कवच
400/-
पति कवच 600/-

विजय राइज:-
1000 से मी.
विजय राइज:-
1000 से मी.

लेक/खड्ड:-
400/-
ट्रेनीन
1100/-

सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362160

अवैध प्लार्टिंग पर निगम का सख्त एक्शन कजरवारा में 1.4 हेक्टेयर भूमि पर कार्रवाई

अनधिकृत निर्माण हटाए, खरीदारों को ठगी से बचाने की पहल

जबलपुर। शहर में अवैध प्लार्टिंग पर नगर निगम ने सख्ती शुरू कर दी है। कॉलोनी सेल और अतिक्रमण निरोधक दस्ते ने पुलिस बल की मौजूदगी में कजरवारा क्षेत्र में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी पर कार्रवाई करते हुए अनधिकृत निर्माण हटा दिए। नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि वार्ड क्रमांक 66 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड के कजरवारा, उमरिया रोड स्थित मौजा ग्राम कजरवारा में खसरा नंबर 298 की 1.4000 हेक्टेयर भूमि पर कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान निगम की कॉलोनी सेल, अतिक्रमण शाखा और पुलिस बल मौजूद रहा।

निगमायुक्त ने कहा कि बिना अनुमति प्लॉट बेचने वाले अवैध कॉलोनीवाजनों के कारण आम नागरिकों की मेहनत की कमाई फंसने का खतरा रहता है। कार्रवाई से ऐसे लोगों पर अंकुश लगेगा और नागरिकों को संभावित



धोखाधड़ी से बचाया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि अवैध कॉलोनियों में सड़क, पानी, बिजली और सीवरेंज जैसी मूलभूत सुविधाएं भी व्यवस्थित नहीं होतीं, जिससे शहर के नियोजित विकास पर असर पड़ता है। नगर निगम ने नागरिकों से

अपील की है कि भूखंड खरीदने से पहले स्वीकृत ले-आउट, आवश्यक अनुमतियां और संबंधित दस्तावेजों की जांच जरूर करें। साथ ही बिना वैध अनुमति और नियमों का उल्लंघन कर की जा रही प्लार्टिंग से बचने की सलाह दी गई है।



दिवांग बच्चियों के साथ मनाया जन्मदिन, सेवा का दिया संदेश

जबलपुर। जबलपुर हेलिंग एसोसिएशन द्वारा शनिवार, 5 सितंबर को चैतन्य सेवा संस्थान में निवासरत दिव्यांग बच्चियों के साथ संस्था की सदस्य रीता सोनी का जन्मदिन मनाया गया। कार्यक्रम में बच्चियों के साथ खुशियां साझा कर सेवा, संवेदनशीलता और मानवता का संदेश दिया गया। एसोसिएशन के अध्यक्ष चरन जीत सिंह अरोरा ने कहा कि दिव्यांग बच्चियों के साथ जन्मदिन मनाने का निर्णय सेवा और संवेदनशीलता का प्रेरणादायक उदाहरण है। राजेश सोनी ने कहा कि सच्चा जन्मदिन वही है, जो दूसरों के जीवन में खुशी और मुस्कान लाए। उन्होंने कहा कि बच्चियों की मुस्कान ही इस अवसर का सबसे बड़ा उपहार है। सचिव राजेंद्र वर्मा ने कहा कि समाज के प्रत्येक बच्चे को समान अवसर और स्नेह मिलना चाहिए। दिव्यांगता किसी की क्षमता को सीमित नहीं करती, बल्कि संघर्ष और साहस को और मजबूत बनाती है। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने रीता सोनी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं तथा सेवा, करुणा और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में संदीप गौर, प्रीति वर्मा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



एमआरपी से अधिक पर शराब बिक्री के आरोप, कांग्रेस ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। शराब दुकानों पर निर्धारित एमआरपी से अधिक कीमत पर शराब बेचने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस युवा नेता विजय रजक के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने सहायक जिला आबकारी अधिकारी द्रुम चंद चतुर्वेदी को आबकारी आयुक्त के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में शहर की 26 शराब दुकानों के खिलाफ कार्रवाई और लाइसेंस निरस्त करने की मांग की गई। विजय रजक ने आरोप लगाया कि शहर में शराब दुकानदारों द्वारा कुछ ब्रांडों पर 10 से 50 रुपए तक अधिक राशि वसूली जा रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई दुकानों के बाहर नियम विरुद्ध अहाते संचालित किए जा रहे हैं। संगठन का दावा है कि ग्राहकों की शिकायतों के बाद अलग-अलग

दुकानों पर खरीदारी के वीडियो बनाए गए, जिनमें एमआरपी से अधिक कीमत वसूले जाने की बात सामने आई। ज्ञापन के साथ कथित रूप से बनाए गए वीडियो और 26 दुकानों की अलग-अलग शिकायतें भी आबकारी विभाग को सौंपी गईं। संगठन ने 48 घंटे में कार्रवाई की मांग करते हुए चेतावनी दी कि कार्रवाई नहीं होने पर 11 सितंबर को आबकारी विभाग कार्यालय का घेराव किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में अजय चक्रवर्ती, मोहसिन खान, शुभम रजक, आयुष पहारिया, सुमित गुप्ता, जीशान कुरेशी, सक्षम यादव, तनिष्क राय, रितिक जैन, विनय पटेल, राहुल चक्रवर्ती, देवेंद्र काशी, विवेक अहिरवार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।



जनेकृविवि परिसर में किया गया पौधरोपण पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जबलपुर। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय परिसर में जबलपुर चेंटर ऑफ इंस्टीट्यूट सोसायटी ऑफ स्टाइल साइंस एवं मुद्रा विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में पौधरोपण अभियान चलाया गया। विभिन्न इकाइयों में पौधे रोपकर पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। चेंटर अध्यक्ष डॉ. ब्रजेश दीक्षित ने कहा कि पेड़-पौधे धरती के अनमोल आभूषण हैं और पर्यावरण संतुलन के लिए पौधरोपण आवश्यक है। उन्होंने पौधे लगाने के साथ उनकी देखभाल और सुरक्षा का संकल्प दिलाया। राष्ट्रीय काउन्सिलर डॉ. बी.एस. द्विवेदी ने कहा कि पेड़-पौधे धरती के अनमोल आभूषण हैं तथा प्रदूषण रोकने के लिए पौधरोपण के साथ उनके लालन-पालन पर भी ध्यान देना जरूरी है। इस अवसर पर डॉ. ग्रथिकेश ठाकुर, डॉ. अनिल मिश्रा, डॉ. ए.एन. गौगम, डॉ. किरण पटेल सहित अधिकारी-कर्मचारी, सोसायटी के सदस्य एवं मुद्रा विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बलिदान दिवस की तैयारियों को लेकर प्रशासन और गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ की हुई बैठक

जबलपुर। अमर शहीद राजा शंकर शाह एवं कुंवर रघुनाथ शाह के 169वें बलिदान दिवस पर 18 सितंबर को प्रस्तावित कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में जिला प्रशासन एवं गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों, व्यवस्थाओं और आयोजन को भव्य स्वरूप देने को लेकर चर्चा की गई। बताया गया कि 18 सितंबर के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के शामिल होने का प्रस्ताव है। बैठक में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, अपर कलेक्टर रविशंकर राय, एसडीएम अनुराग सिंह, तहसीलदार विकास जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। गढ़ा गोंडवाना संरक्षण संघ की ओर से संभागीय अध्यक्ष किशोरीलाल भलावी,



कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अजय झारिया, संयोजक राजेंद्र चौधरी, सलाहकार एवं अधिवक्ता बालकिशन चौधरी, सचिव गया प्रसाद धुर्वे, जगदीश नन्हेट एवं नोखेलाल बरकड़े सहित पदाधिकारी मौजूद रहे।

वेलांकन्नी माता के जन्मोत्सव पर निकली शोभायात्रा

जबलपुर। घमापुर-कांवर स्थित निर्मला चंद्र परिवार में वेलांकन्नी माता का 54वां वार्षिक महोत्सव श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। जन्मोत्सव के अवसर पर मुख्य याजक बिष्णु जे.जी. चलन अरसुर की उपस्थिति में विशेष मित्रता

सार्वजनिक सूचना - नाम परिवर्तन

मैं, **AJAY KUMAR KUNDU**, पुत्र **RAJENDER KUNDU** निवासी Musha choupal, Village-Allika, Post-Allika, Tehsil & Distt- Palwal, State- Haryana, Pin-121102, यह घोषित करता हूँ कि मेरे नाबालिग पुत्र का नाम कुछ अभिलेखों / आधार कार्ड में "BABY TWO OF RENU" दर्ज है, जबकि उसका सही नाम "AKSH KUNDU" है। अब से वह सभी आधिकारिक, शैक्षणिक, कानूनी एवं अन्य प्रयोजनों हेतु "AKSH KUNDU" नाम से जाना जाएगा। द्वारा शपथ पत्र नं 38AA 850439 दिनांक 08-09/2026, नोट नोटरी जबलपुर मध्य प्रदेश.

गलत नाम
"BABY TWO OF RENU"
सही नाम
AKSH KUNDU

नाम एवं जन्मतिथि परिवर्तन सूचना

I, **RAMAWATI DEVI** is legally Mother of **JC393068K**, Rank-NB/SUB, Name-RAM PRAKASH YADAV presently residing at Vill-Khalian Chak, Post- Bhawal Chak, Teh -Zamania, Distt - Ghazipur, State-U.P. PIN-232336 शपथपूर्वक निवेदन करता हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में मेरा नाम एवं जन्मतिथि **RAMWATI DEVI** & 01-07-1956 दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम एवं जन्मतिथि **RAMAWATI DEVI** / 01-01-1960 दर्ज है, जो कि सही है। मेरे नाम को पढ़ना एवं मेरे बेटे के सर्विस रिकॉर्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं 38AA 850440 नं. दिनांक 08-09-26 नोटरी जबलपुर म.प्र.

गलत नाम एवं जन्मतिथि
RAMWATI DEVI / 01-07-1956
सही नाम एवं जन्मतिथि
RAMAWATI DEVI 01-01-1960

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/106/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्री रविन्द्र कुमार चौहान पिता स्व. राम प्रसाद चौहान (2)श्री रुचि कुमार पित्त स्व. राम प्रसाद चौहान ने वाई क्रमांक 66 वाई का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 66 वाई का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 2458/9 13 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000388431 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 2000 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 1500 वर्गफुट मूल्य प्रमाण पत्र/विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री भाष्य श्री चौहान पिता स्व. राम प्रसाद चौहान का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/108/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अमिता साहू पति श्री मंगराम साहू ने वाई क्रमांक 66 वाई का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक 66 वाई का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक ख.नं. 784/9 प्लॉट नं. 6 वेयर हाउस के पीछे सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000385623 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1000 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 1500 वर्गफुट मूल्य प्रमाण पत्र/विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री भाष्य श्री चौहान पिता स्व. राम प्रसाद चौहान का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/109/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री ऋषभ मिश्रा पिता धनरथराम मिश्रा नं वाई क्रमांक 66 वाई का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लॉट नं. B-204 आर्षा पैराडाइस मंडला रोड सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1004037461 पर दर्ज निर्मित द्वितीय तल 1000 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री कैविन अगर्दिन विलियम पिता जेम्स विलियम का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/115/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री राजिक खान पिता रहमत खान ने वाई क्रमांक 66 वाई का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लॉट नं. 58 ए.पी.आर. कालोनी बिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000386735 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1500 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 1500 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री विनोद कुमार पिता राम लिंगम का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/121/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति अनुराधा वैस पति श्री रामानंद वैस ने वाई क्रमांक 66 वाई का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक प्लॉट नं. 32 निर्माण नगर शिवपुरा कटियाघाट सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1003970993 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 900 वर्गफुट जिस पर निर्मित भूतल 900 वर्गफुट, प्रथम तल 900, द्वितीय तल 500 वर्गफुट वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति शांति बाई दिवाकर पिता दिवक वत्साली का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/120/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संजय त्रिपाठी पिता स्व. सुरेश चंद्र त्रिपाठी ने वाई क्रमांक 43 वाई का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक 43 वाई का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 1041,1042 पावर हाउस के पीछे सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000448119 पर दर्ज भूमि जिस पर निर्मित भूतल 442 वर्गफुट, प्रथमतल 388 वर्गफुट दानपत्र / शपथपत्र / मूल्य प्रमाणपत्र/विक्रय पत्र/ वसीयतनामा /त्यागपत्र / रितीज डीड / बंटवारानामा के आधार पर निगम में दर्ज स्व. सुरेश चंद्र त्रिपाठी का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/123/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संतोष चौधरी पिता स्व. रोशन लाल ने वाई क्रमांक 43 वाई का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 752 से 754 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000444037 से नया पिन पर दर्ज भूमि जिस पर निर्मित भूतल 150 वर्गफुट मूल्य प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज रोशन लाल पिता सुंदर लाल का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/122/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1)श्रीमति शांति देवी पित स्व. रोशनलाल (2)रजेंद्र कुमार पिता स्व. रोशनलाल ने वाई क्रमांक 43 वाई का नाम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 752 से 754 कांवर के सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000444037 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1278 वर्गफुट, प्रथमतल 800 वर्गफुट मूल्य प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में श्रीमति रोशन लाल पिता सुंदर लाल का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/120/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि काविज श्रीमति रत्ना मलिक पति स्व. श्री राकेश मलिक ने वाई क्रमांक 67 वाई का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक 1586/10 कटियाघाट सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002767877 पर दर्ज भूमि पर निर्मित भूतल 300 वर्गफुट सीमेंट शीट मूल्य प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज काविज राकेश मलिक पिता स्व. भगवान दास का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/120/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमति रेनु विंदल पति श्री दीपकराम विंदल श्रीमति रितिका विंदल पति श्री ऋषभ विंदल ने वाई क्रमांक 67 वाई का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लॉट नं. 405 नमामि रंकाई विला सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1002907030 पर दर्ज भूमि पर निर्मित पांचवी मंजिल 2013 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज (1)श्रीमती आभा राणा पति रंखलाल राणा (2)रंखलाल पिता नेकलाल का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/126/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री वाजिद गुजरती पिता श्री सुनील गुजरती ने वाई क्रमांक 67 वाई का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लॉट नं. 144 नमामि वेली तिलहरी सम्पत्ति के पिन क्रमांक 2000230007 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 960 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती पुष्पा गुजरती पति श्री सुनील गुजरती का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग क्रमांक 11 नगर निगम, जबलपुर पत्र क्र./सं.कं.11/11/122/2026-27 दिनांक 08/09/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि (1) अमिर सोहेल पिता ताज मोहम्मद (2)ततल कुरेशी पति आनिर सोहेल ने वाई क्रमांक 65 वाई का नाम सुभाषचंद्र बनर्जी के भवन क्रमांक प्लॉट नं. 3/22 ब्लॉक नं. 19 सम्पत्ति के पिन क्रमांक 1000400321 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1360 वर्गफुट विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमति शांति बाई दिवाकर पति शांतिगलत पिता दिवाकर का नाम हटायें जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तित किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-11, राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम, जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी संभाग क्रं. 11 नगर निगम, जबलपुर

पानी के ऊपर बसा है पूरा गांव, कहलाता है धरती का स्वर्ग, नजारे देख झूम उठेगा मन

तिरुवनंतपुरम। गांव का नाम सुनते ही हम सबके मन में हरियाली, खेत-खलिहान, मवेशी-टैक्टर याद आने लगते हैं। पिछले कुछ वर्षों में गांवों की तस्वीर बदली है। भारत में कुछ गांव तो ऐसे भी हैं, जो किसी इतने खूबसूरत हैं कि स्वर्ग जैसे दिखते हैं। देश में एक गांव ऐसा भी है जो पूरा का पूरा पानी के ऊपर बसा हुआ है। मानसून के सीजन में इस गांव का नजारा स्वर्ग जैसा होता है। दुनिया के सबसे खूबसूरत गांवों में इसकी गिनती है। दुनियाभर से लोग इस गांव की एक झलक पाने के लिए आते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि पानी के ऊपर बसे इस गांव में पक्की सड़कें हैं, यहां पर बसों भी चलती हैं।

गांव की खूबसूरती कर देती है मंत्रमुग्ध

केरल का छोटा सा गांव कडमकुडी पानी के ऊपर बसा हुआ है। इसे देखकर लगता है कि जैसे यह किसी और दुनिया का गांव हो। गांव की खूबसूरती मंत्रमुग्ध कर देती है। मानसून में यहां का नजारा किसी स्वर्ग से कम नहीं होता, यही वजह है कि इस गांव को लोग प्यार से 'छोटा स्वर्ग' भी कहते हैं। यह गांव कोच्चि से सिर्फ 15 किलोमीटर की दूरी पर है। एर्नाकुलम जिले में आता है। यह गांव कोच्चि के पास स्थित 14 छोटे-छोटे द्वीपों का एक सुंदर समूह है।



पेंटिंग जैसे लगता है गांव का नजारा

कडमकुडी (कडमकुडी) को 'धरती का सबसे खूबसूरत गांव' कहे जाने की कई वजहें हैं। गांव का नजारा पेंटिंग जैसे लगता है। चारों तरफ शांत बैकवॉटर, धीरे-धीरे चलती छोटी नावें, हर तरफ घनी हरियाली, नारियल के पेड़, खुला आसमान और ताजा हवा के झोंके आपको ऐसी दुनिया का अहसास कराते हैं जिसकी कल्पना मन-मस्तिष्क में चलती रहती है।



सनसेट का नजारा देता है अलग अनुभूति

मैग्नो केरल के बैकवॉटर की सबसे बड़ी ताकत है। ये मिट्टी के कटाव को रोकते हैं। समुद्री लहरों से तटी की रक्षा करते हैं। हजारों पक्षियों-जंगली जंतुओं को प्राकृतिक आवास देते हैं। यहां छह महीने प्रॉक्स फार्मिंग तो छह महीने खेती होती है। यहां पर सनसेट का नजारा अलग अनुभूति देता है। अगर जीवन की भागदौड़ से बेक लेना हो, शांति की तलाश हो तो एक बार कडमकुडी गांव जरूर घूम आइये।

जापान में एक ऐसा मंदिर है, जहां नई इमारत बनाने के लिए पुरानी इमारत को गिराना कोई नुकसान नहीं, बल्कि परंपरा है। यहां वक्त गुजरने के साथ मंदिर बूढ़ा नहीं होता, क्योंकि उसे बूढ़ा होने का मौका ही नहीं दिया जाता। हर 20 साल बाद मंदिर को तोड़ा जाता है और ठीक वैसा ही नया मंदिर उसके बगल में खड़ा कर दिया जाता है।

1300 साल पुरानी परंपरा, हर 20 साल में तोड़ दिया जाता है यह पवित्र मंदिर

टोक्यो। यह कहानी है जापान के इसे शहर में मौजूद इसे जिंगू की, जिसे शिंतो धर्म के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। इसे जिंगू कोई अकेला मंदिर नहीं, बल्कि विशाल परिसर में फैले 100 से ज्यादा धार्मिक स्थलों का समूह है। इनमें दो सबसे महत्वपूर्ण हैं- नाइकू यानी इनर श्राइन और गेकू यानी आउटर श्राइन। नाइकू को खास तौर पर सबसे पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि यहां जापानी शाही परिवार से जुड़े पवित्र दर्पण को रखा गया है। इसकी परंपरा सदियों पुरानी है और इसका इतिहास प्राचीन जापान तक जाता है। इस मंदिर की सबसे हैरान करने वाली बात इसकी उम्र नहीं, बल्कि इसे बार-बार नया बनाने की परंपरा है। हर 20 साल में नाइकू और गेकू के मुख्य मंदिरों के साथ उजी ब्रिज का भी पुनर्निर्माण किया जाता है। पुराना मंदिर तोड़ा जाता है और उसके ठीक बगल में बने दूसरे स्थान पर नया मंदिर तैयार होता है। फिर अगली बार यही प्रक्रिया उलट जाती है यानी मंदिर की जगह बदलती रहती है, लेकिन उसकी बनावट, डिजाइन और परंपरा लगभग उसी रूप में आगे बढ़ती रहती है।

फिर करोड़ों से होता है पुनर्निर्माण!



दुनिया की अस्थिरता का प्रतीक

यह सिलसिला करीब 1,300 साल से चला आ रहा है। 2013 में हुए पुनर्निर्माण को इस परंपरा का 62वां संस्करण माना गया। अगला बड़ा पुनर्निर्माण 2033 होगा। शिंतो दर्शन में इसे प्रकृति के जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म तथा दुनिया की अस्थिरता का प्रतीक माना जाता है। लेकिन, इसके पीछे एक बेहद व्यावहारिक सोच भी है, जिसमें से सबसे प्रमुख पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी तक मंदिर बनाने की तकनीक और कारीगरी पहुंचती रहे।

मंदिर बनाने से पहले निकालते हैं लकड़ी के लट्टे

अब जरा उस नजारे की कल्पना कीजिए। मंदिर बनने से पहले यहां ओकिहिकी फेस्टिवल होता है। आसपास के इलाकों के हजारों लोग विशाल लकड़ी के लट्टों को सड़कों से खींचकर लें जाते हैं। ये लकड़ियां जापानी साइप्रस यानी हिनोकी पेड़ों से तैयार की जाती हैं। मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की जरूरत पड़ती है और कई पेड़ 200 साल से भी ज्यादा पुराने होते हैं। पूरी प्रक्रिया कोई दो-चार महीने का काम नहीं। पुनर्निर्माण से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान और समारोह मिलाकर यह सिलसिला कम से कम आठ साल तक चलता है।



आखिर हर 20 साल में इसे तोड़ना ही क्यों?

हमारे जेहन में सबाल यह उठता है कि आखिर इस मंदिर को हर 20 साल में तोड़ा क्यों जाता है? इसका जवाब शायद जापान की पुरानी जीवनशैली में छिपा है। प्राचीन जापान में अनाज रखने वाले लकड़ी के गोदाम भी हर कुछ दशकों में दोबारा बनाए जाते थे। लकड़ी, खंभों और छप्पर की उम्र सीमित होती थी। इसलिए पुरानी संरचना हटाकर नई संरचना बनाना धीरे-धीरे परंपरा बन गया। इसी सोच ने आगे चलकर इसे जिंगू की अनेखी परंपरा का रूप ले लिया। दुनिया यहां पुरानी इमारत को बचाने के लिए संघर्ष करती है, वहीं जापान का यह मंदिर कुछ और ही कहानी सुनाता है।

रोचक खबरें

महिला के पेट से निकले 14 पेन 5 चम्मच और एक मोमबत्ती

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के मुख्यालय नरसाराओपेट स्थित एक निजी अस्पताल से एक बेहद हैरान करने वाला और मेडिकल जगत को चकित कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां सीने में दर्द की शिकायत



लेकर पहुंची 33 वर्षीय महिला की जब डॉक्टरों ने जांच की, तो उसके पेट के अंदर का नजारा देखकर सब हैरान रह गए। महिला के पेट में 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती मौजूद थी। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत लैप्रोस्कोपिक सर्जरी कर इन सभी चीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।

जानकारी के अनुसार, पेटलुरिवारीपलेनी मंडल की रहने वाली 33 वर्षीय विवाहित महिला को पिछले कुछ समय से सीने में तेज दर्द की शिकायत थी। शनिवार को जब दर्द असहनीय हो गया, तो परिजन उसे आनन-फानन में नरसाराओपेट स्थित माताश्री अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने जब कई तरह के मेडिकल टेस्ट और स्कैन किए, तो महिला के पेट के अंदर असामान्य वस्तुएं होने की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला का ऑपरेशन करने का फैसला लिया। पेट में एक छोटा सा छेद करके (लैप्रोस्कोपिक सर्जरी) 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और 1 मोमबत्ती को सफलता पूर्वक बाहर निकाला गया।

हॉप शूट्स है दुनिया की सबसे महंगी सब्जी मंगाने के लिए करना पड़ता है ऑर्डर

न्यूयार्क। दुनिया की सबसे महंगी सब्जी का नाम हॉप शूट्स है, जो सामान्य सब्जी नहीं है। यह सब्जी शायद ही सब्जी मंडी या और दूसरी सब्जियों की तरह अन्य बाजार में मिलती हो। इस सब्जी को ऑर्डर करके मंगाया जा सकता है। बाजार में हॉप शूट्स सब्जी की कीमत 80 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक होती है। हॉप शूट्स की एक किलो दाम में आम आदमी एक हीरे की अमूठी खरीद है। उत्तरी अमेरिका में हॉप शूट्स हर और शंकु के आकार के फूल होते हैं। इस सब्जी का इस्तेमाल बीयर बनाने में होता है। इसके साथ ही इस सब्जी का इस्तेमाल तपेदिक के इलाज में होता है। माना जाता है कि इसके डंठल तपेदिक के इलाज के लिए काफी प्रभावी माने जाते हैं। हॉप शूट्स का इस्तेमाल दवाइयां बनाने में भी किया जाता है। हॉपस को एक निर्मित तापमान और छंदई की आवश्यकता होती है। कई वर्षों से यह सब्जी इसी कीमत पर बिक रही है। दुनिया की सबसे महंगी



सब्जी की कीमत अलग-अलग होती है, क्योंकि इसकी कीमत इसके क्वालिटी पर भी निर्भर करती है। बेहद दुर्लभ सब्जी हॉप शूट्स का इस्तेमाल अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग रूप में किया जाता है। हॉप शूट्स के फूलों को हॉप कोन्स कहा जाता है, जिनका का इस्तेमाल बीयर बनाने में होता है। इसके अलावा इस सब्जी के टहनियों को कई अलग-अलग तरह से खाने में भी इस्तेमाल होता है। दुनिया में कई सब्जियां महंगी बिकती हैं, लेकिन यह सब्जी बेहद महंगी है।

ड्राई फार्मिंग

जहां पानी की कमी है या सिंचाई का खर्च बहुत ज्यादा है, वहां ड्राई फार्मिंग खेती का एक उपयोगी विकल्प

न सिंचाई, न पानी की जरूरत फिर भी लहलहा रहे हैं खेत!

न्यूयार्क। हम अक्सर बाजार में टमाटर, आलू या दूसरी सब्जियों की बड़ी हुई कीमत देखकर परेशान हो जाते हैं। लेकिन, इन सब्जियों को खेत से हमारी रसोई तक पहुंचाने के पीछे किसान की कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा शायद ही हमें होता है। बदलते मौसम और पानी की कमी के बीच खेती करना आसान नहीं है। ऐसे में अमेरिका के एक किसान ने खेती का ऐसा तरीका अपनाया है, जो खासा दिलचस्प है। उन्होंने बिना सिंचाई के टमाटर, आलू, लहसुन और बीन्स जैसी फसलें उगाकर दिखा दी हैं। इस तरीके को ड्राई फार्मिंग कहा जाता है। अमेरिका के ऑरिगन राज्य में रहने वाले इस किसान के लिए ड्राई फार्मिंग कोई नया प्रयोग नहीं है। वह करीब 40 साल से इस तरीके से खेती कर रहे हैं। उनका अनुभव बताता है कि अगर मिट्टी को सही तरीके से तैयार किया जाए और फसल का चुनाव सोच-समझकर किया जाए, तो कम पानी में भी खेती की जा सकती है।

पौधों के बीच रखी जाती है उचित दूरी

ऑरिगन यूनिवर्सिटी की 2014 में प्रकाशित एक स्टडी में भी उनके लंबे अनुभव का जिक्र किया गया था। इसके मुताबिक, 1974 से 2014 तक उन्होंने बिना सिंचाई के ऑर्गेनिक टमाटर, आलू, लहसुन और बीन्स जैसी कई फसलें उगाईं। ड्राई फार्मिंग में बीच बोने का तरीका भी काफी अहम है। बीजों को मिट्टी में इस तरह रखा जाता है कि वे जमीन की नमी के ज्यादा करीब रहें। पौधों के आसपास की मिट्टी को कुछ इंच तक ढीला रखा जाता है, ताकि जड़ों को फैलने की जगह मिले। पौधों के बीच उचित दूरी भी रखी जाती है, जिससे सीमित पानी और पोषक तत्वों के लिए उनके बीच ज्यादा प्रतिस्पर्धा न हो। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि ड्राई फार्मिंग हर जगह आसानी से की जा सकती है। फसल का चुनाव, मिट्टी, मौसम और बारिश का पैटर्न इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। तेज बारिश या ऊपर से लगातार पानी डालना इस सिस्टम को बिगाड़ सकता है। फिर भी, जहां पानी की कमी है या सिंचाई का खर्च बहुत ज्यादा है, वहां ड्राई फार्मिंग खेती का एक उपयोगी विकल्प जरूर बन सकती है।



मजदूरों को मिले दुर्लभ सोने के सिक्के, नहीं डोला ईमान

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेलगाम (बेलगावी) जिले से ईमानदारी और ऐतिहासिक खोज की एक बेहद सराहनीय खबर सामने आई है। जिले के सवादत्ती तालुका स्थित इंचाल गांव में बीसीएम हॉस्टल के पास काम कर रहे निर्माण मजदूरों को जमीन के अंदर से 14 दुर्लभ सोने के सिक्के मिले। लाखों रुपए की कीमत और ऐतिहासिक महत्व वाले सिक्के मिलने के बावजूद मजदूरों ने कोई लालच



नहीं दिखाया और तत्काल स्थानीय प्रशासन को इसकी सूचना देकर सभी सिक्के अधिकारियों के

हवाले कर दिए। बरामद किए गए 14 सोने के सिक्कों का कुल वजन 54.8 ग्राम है, जिसकी वर्तमान बाजार दर के हिसाब से अनुमानित कीमत लगभग 8.27 लाख रुपए बताई जा रही है। सिक्के मिलने के तुरंत बाद पंचायत विकास अधिकारी और तालुका पंचायत के कर्मचारियों की मौजूदगी में मजदूरों ने ये सभी सिक्के सवादत्ती के तहसीलदार मल्लिकार्जुन हेगनवर को सौंप दिए।

मिट्टी का प्रकार भी रखता है काफी मायने

इस खेती में मिट्टी का प्रकार भी काफी मायने रखता है। किसान ने ऐसी चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल किया, जो पानी को ज्यादा समय तक अपने भीतर रोककर रख सकती है। इसके अलावा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए दलहन जैसी फसलों को भी खेती का हिस्सा बनाया गया। किसान ने शुरुआत में ड्राई फार्मिंग कैलिफोर्निया में की थी। बाद में साल 2007 में वह ऑरिगन वाले गए और करीब 9.6 एकड़ जमीन पर खेती शुरू की। यहां सबसे बड़ी चुनौती पानी की थी, क्योंकि सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने खेती जारी रखी और सफल भी रहे।

400 साल पुराना कुआं यहां एक डुबकी लगाते ही दूर हो जाते हैं रोग



हैदराबाद। तेलंगाना के संगारड्डो जिले अंतर्गत सदाशिवपेट के राघवेंद्रनगर में स्थित एक प्राचीन सीढ़ीदार कुआं (बावड़ी) आज भी इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता की अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। स्थानीय लोग इसे 'पुष्करिणी' मानकर पूरी श्रद्धा के साथ पूजते हैं। लगभग 400 वर्ष पूर्व निर्मित यह भव्य संरचना आज भी पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें निरंतर जल भरा रहता है, जो हमारे पूर्वजों के बेजोड़ इंजीनियरिंग कौशल और दूरदर्शिता को दर्शाता है। यह ऐतिहासिक कुआं केवल पेयजल का स्रोत नहीं, बल्कि अत्यंत पवित्र स्थान माना जाता है। स्थानीय निवासियों की दृढ़ आस्था है कि इस पुष्करिणी का जल पीने और इसमें स्नान करने से सभी प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं तथा जीवन में शुभता का आगमन होता है। इस तेजस्वी पुष्करिणी का संबंध समीप स्थित प्रसिद्ध श्री जानकी रघुनाथस्वामी मंदिर से है।

करोड़पति के सपने और रोगमुक्ति से जुड़ा इतिहास

इस पुष्करिणी के निर्माण के पीछे एक दिलचस्प इतिहास जुड़ा है। प्राचीन समय में कुछ रोग से पीड़ित एक धनवान व्यक्ति इस क्षेत्र में आए और अंजीर के पेड़ के नीचे विश्राम करने लगे। रात में भगवान रघुनाथ स्वामी ने उनके स्वप्न में दर्शन देकर बताया कि पास के छोटे से तालाब में स्नान करने से उनका रोग ठीक हो जाएगा। करोड़पति ने पूर्ण विश्वास के साथ स्नान किया और वे पूरी तरह रोगमुक्त हो गए। इसके आभार स्वरूप उन्होंने इस विशाल और सुंदर पुष्करिणी का निर्माण करवाया। यह मंदिर सदाशिवपेट शहर के बसने से भी पुराना बताया जाता है, जहां योगी जानकी बुधनाथ स्वामी ने तपस्या की थी।

भारत ही नहीं, दुनिया के लिए सिरदर्द बना यूकेलिप्टस

ब्रासीलिया। भारत में लंबे समय से पर्यावरण वै ज्ञा नि क यूकेलिप्टस के पेड़ उगाए जाने को लेकर चिंता जाहिर करते रहे हैं। अब दुनिया भर में यूकेलिप्टस लगाए जाने के पर्यावरणीय प्रभावों ने वैज्ञानिकों की चिंता और बढ़ा दी है। अफ्रीका से लेकर दक्षिण अमेरिका तक के देशों में कई दशकों तक यूकेलिप्टस के पेड़ों को बढ़ावा दिया, जिसके बाद यहां बड़े-बड़े बागान तैयार हो गए।

दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील का यूकेलिप्टस उद्योग का एक मकसद था- तेजी से पेड़ उगाना, लुगदी के लिए उन्हें काटना और ग्लोबल पेपर इंडस्ट्री के लिए दोबारा इस्तेमाल हो सकने वाली सप्लाई बनाना। लेकिन, वैज्ञानिकों ने पाया है कि इसने भूजल के स्तर को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है। मिनास गैरैस के यूकेलिप्टस उतारने वाले एक इलाके में 45 सालों में भूजल का स्तर 4.5 मीटर गिर गया है। स्थानीय लोग इसे हरा रेंगिस्तान कहने लगे हैं।

अर्जेंटीना में गिरता पानी का स्तर

अर्जेंटीना के विशाल पम्पास घास के मैदानों में कभी यूकेलिप्टस के पेड़ लगाए गए थे, जो अब खतरनाक स्तर से भूजल को प्रभावित कर रहे हैं। मध्य अर्जेंटीना के फ्लॉरिडा पम्पास इलाके में 40 हेक्टेयर के बागान में वैज्ञानिकों ने स्टडी की। यह बागान 1951 में लगाया गया था। दो साल की स्टडी में पता चला कि घास के मैदानों की तुलना में यूकेलिप्टस वाले इलाके में भूजल 0.5 मीटर से ज्यादा नीचे थे। इसने जमीन के नीचे एक ढाल बना दिया और घास के मैदानों से पानी बागान की ओर क्षैतिज रूप से बहने लगा। यानी यूकेलिप्टस के पेड़ सिर्फ अपने नीचे ही पानी का इस्तेमाल नहीं कर रहे, बल्कि आस-पास के इलाकों से भी भूजल खींच रहे हैं।